

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—हाण्ड 3—उप-हण्ड (i) PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 347]

नई विल्ली, बृहस्पतिवार, नवम्बर 18, 1982/कार्तिक 27, 1904

No. 347]

NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 18, 1982/KARTIKA 27, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था की जाती है जिससे कि यह असग संकलन को कय में रका जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filled as a separate compilation

गृह मंत्रासय

(कामिक ग्रोर प्रशासनिक सुधार विभाग)

आंध्रसुचनाएं

नई बिल्ली., 18 नवम्बर 1982

सारकार किर 710 (आ) -- केर्ब्रिय सरकार, सारस्य प्रधानिक सेवा (सर्ती) कि स्म 195 वे कि भि 7 वे क्रिनुसरण से राज्य सरकार ब्रीर स्थ लाक सेवा ब्रायान के परामण से सारत्य प्रधानिक सेवा (ब्रीत्यानिका परेका हारा निय को विनिचन 1955 का ब्रीर संशक्षित करने के लिए मिस्नालियन विनिचम बनान है ब्रिशीन् --

- 1 (1) इन विनित्रमा ता मिक्षाप नाम भागतिय प्रणामितः मैवा (प्रतियोगिता परेक्षा द्वारा नियक्ति) नणावन विनित्स, १५४.2 है।
 - (2) य राज्यव म प्रकाशन की शराख की प्रवत्त जीता
- े भाग्तय प्रणासनिक सेवा (प्रतियोधिता पर्रक्षा द्वारा नियक्ति) विनियम, 1955 में विनियम 11 के खण्ड (क) (ख) छोर (ग) के स्थान पर्रान-निवस्थित खण्ड रेखा जाएगा, अर्थात्
 - ''(क) स्रायोग द्वारा उस परीक्षा के लिए जिसका बढ़ श्रभ्यथी है सिरहित सिका जा सोचा या

- (ख) स्थार्य सा से अथवा किस विनिदित्य अर्थाध के लिए---
 - (1) क्रायोग द्वारा ल जॉन बाले किसी परिक्षा क्रथवा क्षिण जॉने बाले किसी चयन में, क्षायोग द्वारा,

- (॥) केन्द्रीय सरकार के अर्धन किसी नियोजन स केन्द्रीय सरकार द्वारा विविधित किसी जा सके।।, जीर
- (ग) यदिवह पहल से हे संस्थार व अध्यन सेवा मे है तो संपुष्तित निथमों दे अधिन उपक विरुद्ध अनुष्णामः निक कार्यकाई का आ सोन्सी

परन्तु यह सि यथास्वित खण्ड (क) याखण्ड (ख) के श्रापीत कोई। मारिक

- (1) श्रम्यर्थी को लिखित में ऐसा श्रद्धायेदन करने का जैसा वह उस ति।सम करना चात्रं श्रवसर देन के पण्चात
- (11) श्रम्पर्वीद्वारा, उसरी र्व गई अवध के भातर मेजे गए अस्ता-वेदन पर यदि कोई है शिचार करने के पत्रचात है सिवाए अधिराधित नहीं की आएए।।

टिप्पण मूल किलियमा का निम्नलिखन द्वारा समाप्रक किया गया

- । मा०वा०नि०न० ५७१ त(र खा ५ गप्रैन १५७७
- 🔞 सारकार्शनिरुमार ३४५ (६४) त।रखा । ५ स्रप्रील । १७७६
- उ मार्कार्शनिरम् ११३६मारेख १ मित्रकार, 1966
- 4 मार्जार्जनियम् ४१८(६४) नारंख ७ माच १५७४

997 GI/82-1

- 5 सा० का० नि० ४३९ (घ) नारीख 11 धक्तूबर 1972
- 6. मा०कार्शनिरु 238 (श्र) नारीख 9 मई, 1973
- 7. सार्वार्शनिरुगर 121(ग्र) तारीखा 6 मार्च, 1971
- ८ मार्रार विरुप्त 416(म्र) नार्शेख 10 प्रक्तूबर, 1971
- सा० का० नि० स० 145 (ग्र) मारीख 12 मार्च, 1975
- 10. सार्कार्शनरमं २ 452 तारीखा ८ घप्रैन, 1978
- 11. सा० का० नि० मं० 598 (ম) तारीख 30 दिगम्बर, 1979 श्रीर
- 12. सा०का० नि० सं० 613 (अ) तारीख 23 नवम्बर, 1981

[सं० एफ • 11028/1/81-ए ब्राई एस (I)-क]

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(Department of Personnel & Administrative Reforms)

NOTIFICATION

New Delhi, the 18th November, 1982

- G.S.R. 710(E).—In pursuance of rule 7 of the Indian Administrative Servige (Recruitment) Rules, 1954, the Central Government, in consultation with the State Governments and the Union Public Service Commission, hereby makes the following regulations further to amend the Indian Administrative Service (Appointment by Competitive Fxamination) Regulation, 1955, namely:—
- 1. 1. These regulations may be called the Indian Administrative Service (Appointment by Competitive Examination) Amendment Regulations, 1982.
- 2. They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. In the Indian Administrative Service (Appointment by Competitive Examination) Regulations, 1955, in regulation 11, for clauses (a), (b) and (c), the following clauses shall be substituted, namely:—
 - "(a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period :--
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government from any employment under them; and
 - (c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appointant rules:
 - Provided that no penulty under clause (a) or clause (b), as the case may be, shall be imposed except after :---
 - (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
 - (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allotted to him, into consideration."

NOTE: The principal Regulations have been amend vide

- 1. G.S.R. No. 561 dated the 5th April, 1966,
- 2. G.S.R. No. 245(E) dated the 15th April, 1966.
- 3. G.S.R. No. 1436 dated the 2nd September, 1966.
- 4. G.S.R. No. 318(F) dated the 6th March, 1971.
- 5. G.S.R. No. 439(F) dated the 11th October, 1972.
- 6. G.S.R. No. 238(E) dated the 9th May, 1973.
- 7. G.S.R. No. 121(E) dated the 6th Match, 1974.
- 8. G.S.R. No. 416(F) dated the 10th October, 1974.
- 9. G.S.R. No. 145(E) dated the 12th March, 1975.

- 10. G.S.R. No. 452(F) dated the 8th April, 1978.
- 11. G.S.R. 598(E) dated the 30th December, 1978.
- 12. G.S.R. No. 613(E) doted the 23rd November, 1981,

[No. 11028/1/81-AIS(I)-A]

सारकार निरु 711 (अ) --- केन्द्रिय सरकार, भारतीय पुलिस सेवा (भर्ती) नियम, 1954 के नियम 7 के अनुसरण में, राज्य सरकार भीर संघ लोक सेवा श्रायोग के परामर्श में भारतीय पुलिस सेवा (प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा नियुक्ति) विनियम 1955 का और संणायन करने के लिए निम्नलिखन विनियम बनाती है, अर्थान् :---

- (1) इन विनियमों का मिक्षण्त नाम भारतीय पुलिस सेवा (प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा नियक्ति) संशोधन विनियम, 1982 है।
 - (2) में राजपत्र में प्रकाणन की तारीख को प्रवस होंगे।
- 2 भारतीय पुलिस सेवा (प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा नियुक्ति) विनियम, 1955 में विनियम 11 के खड़ (क) (ख) ग्रीर (प) के स्थान पर निस्तोलखित खण्ड रखा जाएगा, ग्रयति:---
 - "(क) प्रायाग द्वारा उक्त पर्राक्षा के लिए जिसका वह अभ्यर्थी निरहित किया जासकेना, या
 - (ख) स्थायी रूप से अथवा किसी विनिविष्ट अवधि के लिए---
 - (i) श्रायोग द्वारा ली जाने वाली किसी परीक्षा श्रथवा
 किए जाने वाले किसी खबन से, श्रायोग द्वारा;
 - (ii) केन्द्रीय संकार के प्रधीन किसी नियोजन में, केन्द्रीय सरकार द्वारा विवजित किया जा मकेना, श्रीर
- (प) यदि वह पहले में हैं। सरकार के अर्घान सेवा में है तो समुचित्र नियमों के अर्धन उसके विरुद्ध श्रनणामितक कारेवाई की जा सके^पः

परन्तु यह कि यथास्थिति खण्ड (क) या खण्ड (ख) के अर्धान कोई गास्ति

- (i) प्रभ्यर्थी को लिखित में ऐसा प्रभ्याबेदन करने का जैसा वह उस निमित्त करना चाहे श्रवसण देने के गण्चात्
- (ii) अभ्यथी द्वारा, उसरा दी गई अवधि के भीतर भी गए अभ्यावेदन पर यदि कोई है, विचार करने के पण्यातृ के सिवाए अधिरोधिन नहीं की आएगी।

टिप्पण . मूल विनियमो का निम्नलिखित इत्या संशोधन किया :

- । मा०का०नि० स० ५६। तार्रख ५ ग्रप्रैल, १५६६
- 2. साठकार्शन्यसंघ 2.45 (ग्र.) तारीख 15 भ्रप्रैस, 1966
- 3. सा०का० नि०स० । 136 वार्रख 2 सिवस्बर, 1966
- 4 सा०का० नि० म० ३ 18 (ग्रा) नार्याख ६ मार्च, 1971
- 5. सा० का० नि० सं० ५३७ (घ) तारीख 11 ग्रक्तूबर, 1972
- 6 सारकार्यान्तरसर्थाः अस्ति । नारीखा अमई, 1973
- 7 मा० का० मि० म० । २१ (ग्र.) तार्र ख ७ माचं, 1974
- ८ सा०का०नि०म० ४१६ (छ) तारीख १० श्रक्तूबर, १९७४
- 9 मा०का० नि०म० 145 (स्र) नारीख 12 मार्च, 1975
- 10 साञ्काञ्चिञ्च०452 तारीखा अध्यौष, 1978
- 1। साठकाठ चिठसठ ১9৪ (ম) বাধীল 30 दिसम्बर, 1979 শীৰ
- 12 सार्वार्शनिवसंव ६1३(ग्र) नार्राख 23 नवस्वर, 1981

पीठ एस० कोह्नी, अवर सचिव [40095, 11028/1/81-998]

- G.S.R. 711(E).—In pursuance of rule 7 of the Indian Police Service (Recruitment) Rules, 1954, the Central Government, in consultation with the State Governments and the Union Public Service Commission, hereby makes the following regulations further to amend the Indian Police Service (Appointment by Competitive Examination) Regulations, 1955, namely:—
 - 1. (1) These regulations may be called the Indian Police Service (Appointment by Competitive Examination) Amendment Regulations, 1982.
 - (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Indian Police Service (Appointment by Competitive Examination) Regulations, 1955, in regulation 11, for clauses (a), (b) and (c), the following shall be substituted, namely:—
 - "(a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
 - (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government from any employment under them; and
 - (c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules:

- Provided that no penalty under clause (a) or clause (b), as the case may be, shall be imposed except after—
- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allotted to him, into consideration."

Note: The Principal Regulations have been amended vide

- 1. G.S.R. No. 565 dated the 5th April, 1966.
- 2. G.S.R. No. 246(F) dated the 15th April, 1966.
- 3. G.S.R. No. 1437 dated the 2nd September, 1966
- 4. G.S.R. No. 319(E) dated the 6th March, 1971.
- 5. G.S.R. No. 440(E) dated the 10th October, 1972.
- 6. G.S.R. No. 239(E) dated the 9th March, 1973.
- 7. G.S.R. No. 122(E) dated the 6th March, 1974.
- 8. G.S.R. No. 417(E) dated the 10th October, 1974.
- 9. G.S.R. No. 146(E) dated the 12th March, 1975.
- 10. G.S.R. No. 453 dated the 8th April, 1978.
- 11. G.S.R. No. 599(E) dated the 30th December, 1978.
- 12. G.S.R. No. 614(E) dated the 23rd November, 1981.

[No. F. 11028/1/81-AIS(I)-B] P. N. KOHLI, Under Secy.